संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कक्षा	बी.ए. प्रथम वर्ष	
सत्र	2020–2021	
विषय	प्रयोजनमूलक हिंदी	
प्रश्न–पत्र	द्वितीय	
प्रश्न–पत्र का शीर्षक	व्यावहारिक हिन्दी एवं अनुवाद	
अनिवार्य / वैकल्पिक	वैकल्पिक	
अधिकतम अंक	सैध्दांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन
50	40	10

उद्देश्य (Objective) – हिंदी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान और अनुवाद सहित भिन्न–भिन्न क्षेत्रों में प्रयोग।

अधिगम (Course Out Come)

1. हिंदी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान
2. अभिव्यक्ति क्षमता का विकास
3. कार्यालयीय साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
4. तकनीकी एवं पारिभाशिक शब्दावली का ज्ञान
1. संचार माध्यमों में कार्य का व्यावहारिक ज्ञान
2. उपर्युक्त आधार पर रोजगार के अवसर

पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम इकाई	हिन्दी की सामान्य प्रवृत्तियाँ, वाक्य रचना एवं प्रकार (रचना तथा अर्थ के आधार पर) हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ–लिंग, पुरू" ा, वचन, कारक, पक्ष, काल, वृत्ति और वाच्य, हिन्दी के वागभाग।
द्वितीय इकाई	हिन्दी वाक्य विन्यास एवं अंग्रेजी वाक्य विन्यास मे मूलभूत अंतर सोदाहरण प्रयोग।हिन्दी अनुवाद की प्रविधि एवं प्रक्रिया। हिन्दी अनुवार की समस्याएँ।
तृतीय इकाई	पारिभाf" ाक ' ाब्दावली की परिभा" ाा ए1 नियम, पारिभाf" ाक ' ाब्दों के

	उदाहरण– प्रशासनिक विज्ञान, वाणिज्य एवं मानविकी के पारिभाि" ाक ' ाब्द व उनके हिन्दी अनुवाद।
चतुर्थ इकाई	हिन्दी की व्यावहारिक स्थिति, संवाद की विशेशताएँ। अच्छे संवाद के गुण, हिन्दी मे लय, अनुतान एवं बलाघात का सोदाहरण परिचय।
पंचम इकाई	संचार माध्यमों में हिन्दी–प्रयोग की स्थिति, आकाशवाणी,दूरदर्शन तथा पत्र–पत्रिकाओं में हिन्दी का व्यावहारिक प्रयोग,समस्याएँ एवं समाधान।

प्रायोगिक कार्य

1.संविधान के राजभाषा के विषयक प्रावधान।
2.राजभाषा की कार्यालयीन स्थिति का सर्वेक्षण– ' शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों में हिन्दी का व्यावहारिक स्वरूप।
3.संस्थान स्तर पर राजभाषा हिन्दी का प्रचार– प्रसार यथाः– राजभाषा मास, पखवाड़ा एवं दिवस।
4.संविधान में उल्लिखित राजभाषाओं के नाम।
5.उपयुक्त विषय वस्तु पर आधारित पंजिका, चार्ट बनाना एवं सामग्री संकलन करना।
6.**रिपोर्टिंग एवं विज्ञापन : संकलन**

सहायक पुस्तकें

1 प्रयोजन मूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2 राजभाषा हिंदी – भोलानाथ तिवारी
3 प्रयोजन मूलक हिंदी – मुश्ताक अली
4 हैलो मीडिया – डॉ. आभा मिश्रा
5 सम्पूर्ण पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी
6 प्रयोजन मूलक हिंदी – कैलाश चंद्र भारिया
7 प्रयोजन मूलक हिंदी – दंगल झालटे
8 प्रयोजन मूलक हिंदी का स्वरुप – महाले
9 शासकीय पत्र लेखन – ओमप्रकाश सिंहल
10 कार्यालयीन हिंदी – हरिबाबू बंसल
11 प्रारुपण, टिप्पण एवं प्रूफ पठन – भोलानाथ तिवारी
12 प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ. पुरुषोत्तम बाजपेई

13 अनुवाद चिंतन – डॉ. एस.एन. शर्मा
14 हिंदी पत्रकारिता स्वरुप एवं सन्दर्भ – विनोद गोदरे
15 व्यावसायिक हिंदी – पुष्कर सिंह
16 प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ. रमेश तरुण

अंक विभाजनः–

नियमित–40

1. 5×6= 30 – दीर्घ उत्तरीय
2. 2×2.5= 05 – लघु उत्तरीय
3. 5×1= 05 – वस्तुनिष्ठ

आंतरिक मूल्यांकन – अंक विभाजन

तिमाही 05 अंक, छैमाही 05 अंक